देश बचाओ ! देश बनाओ !

आइये **लोकशक्ति अभियान** में शामिल होइए !

भ्रष्टाचार, अन्याय, गैरबराबरी के खिलाफ़; शांति, न्याय, सही विकास, जनतंत्र की ओर ...

मेधा पाटकर, संदीप पाण्डेय, जे पी सिंह, राकेश रफ़ीक, नन्दलाल मास्टर, जय शंकर और देश के अन्य कर्मठ समाजकर्मी उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों में इस अभियान के साथ दौरा करेंगे २० दिसम्बर से २६ दिसम्बर तक |

जुडिये इस अभियान से एक पूर्ण बदलाव के लिए !

देश की जनता ने यह बात तो साबित की है कि उसे देश में परिवर्तन चाहिए | संविधान अपना स्थान बना रहा है, उसका सम्मान होता है, पर पालन नहीं | इसीलिए बुनियादी परिवर्तन के लिए संविधान के साथ मूल्यों का आधार और ठोस (बदलाव के) मुद्दों का स्वीकार एवं स्पष्टता जरुरी है | समता, न्याय, सादगी, स्वावलम्बन, जैसे मूल्य और संविधान में ही दिये मार्गदर्शक सिद्धांतों पर अगर राज्य अपना कर्तव्य मानकर नहीं चल रहा है, तो हमें समाज को ही प्रेरित, प्रभावित करके ‘राज्य’ को बदलना होगा | समाज को स्वयं अपने को भी चुनौती देनी होगी | **भ्रष्टाचार के खिलाफ़ उठ खड़ी हुई जनता अन्याय की विरोध भी करे, और स्वयं संसाधनों के विनाश और विस्थापन के बिना सही मानवीय विकास में जुड़े तभी एक सुंदर, समृद्ध समाज निर्माण हो पायेगा |**

भ्रष्टाचार का कारण और नतीजा है - गैरबराबरी, हिंसा, लूट व शोषण | राजनीति और अर्थनीति भ्रष्टाचार के साधन हैं | इसे बदल डाले, यह जरुरी है | देश के मेहनतकश, किसान - मजदूर, मछुआरे- कारीगर आदि सभी और विशेष वंचना भुगतने वाले दलित, आदिवासी, अन्य तबके इस बदलाव के अगुआ हो परंतु देश के सभी संवेदनशील, विचारशील नागरिक इसमें शरीक हो, यह भी जरुरी है | **देश का हर समझा - सुलझा नागरिक किसी न किसी निर्माण कार्य के लिए (शिक्षा, स्वस्थ्य, खेती, घरलू उत्पादन, जरूरतमंदों की सेवा आदि) हर रोज कम से कम २ घंटे और सप्ताह में किसी दिन ४ घंटे दे |**

जुडिये राजनैतिक सुधारों के लिए ! जन राजनीति के लिए !

1. आज की राजनीति और अर्थनीति में हावी 'भ्रष्टाचार' कई प्रकार का है | उसे मिटाने की ओर चुनाव सुधार और राजनैतिक बदलाव भी जरूरी है | राजनीति केवल पूंजीपतियों के पक्ष में नहीं, आम जनता के पक्ष में, जनता के नजरिये पर हो | सही जनतन्त्र का आधार हो |
2. **महिलाओं के लिए सिर्फ ३३% आरक्षण नहीं, हर चुनावी क्षेत्र से एक महिला व् एक पुरुष जन प्रतिनिधि चुना जाए |**
3. विधान सभा - लोकसभा में प्रतिनिधियों की ८०% उपस्थिति सुनिश्चित हो और बाकी दिन उनके चुनाव क्षेत्रों में | चुनावी खर्चे में कमी लानेवाली प्रचार पद्धति हो और उम्मीदवारों का न्यूनतम खर्चा चुनाव आयोग से हो | घोषणापत्रों में दिए वचनों के प्रति उम्मेदवार तथा दल बंधनकारी माने जाए |
4. **जनता को हक मिले कि चुनाव में उचित उम्मीदवार नहीं होने पर अपनी नापसंदी जाहिर कर सके |**
5. राजनेता, अधिकारी और कर्मचारी सादगी से रहे | उन्हें दी जा रही गैर जरूरी सुविधा और अनावश्यक भत्तों में कमी हो |
6. हिंसा और आतंक न शासन से हो, न समाज से | हर विवाद और संघर्ष के मुद्दे पर या क्षेत्र में संवाद का मार्ग अपनाये | शासन से अगुवाही करवाए, नहीं तो नागरिको में से जनहस्तक्षेप समूह बनकर आगे बढ़े | जनसंवाद जनसुनवाई आयोजित करे |

जुडिये आर्थिक और सामाजिक सुधारों के लिए ! एक समाजवादी समाज के लिए !

1. **ग्रामसभा और बस्तीसभा का जल, जंगल, जमीन, खनिज, पर पहला अधिकार हो** | ग्रामसभा और बस्तीसभा अपना विकास प्रथम तय करे, फिर उस आधार पर नियोजन हो इसलिए **जबरन भूमि अधिग्रहण सामाप्त होकर विकास नियोजन का कानून बने |**

2. खेती का गैर खेती के कार्य के लिए उपयोग और हस्तांतरण पर कड़ी रोक लगे | खेती में कम्पनीकरण और ठेके की खेती पर रोक लगे और खुदरा व्यापर में विदेशी पूँजी का निवेश न हो | **भूमि** पर ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में भी सीलिंग लगाकर उसका समतापूर्ण और न्यायपूर्ण उपयोग हो | **सीलिंग से अधिक की जमीन प्राथमिकता से भूमिहीनों को दी जाए, जिस पर स्त्री और पुरुष दोनों का मालिकाना हक रहे |** खेती और उद्योग में गैरबराबरी न रहे इस लिए खेती उपज का मूल्य और यंत्रोत्पादित वस्तुओं के मूल्य समतुल्य हो |

3. देश में गैरबराबरी कि हद हो चुकी है, उसे खत्म किया जाये, राजनेता खुद और मुट्ठी भर लोगों के उपभोग के पक्ष में है, न की सबकी जरूरत पूर्ति के | आय में किसी भी कीमत पर १:१० से अधिक फर्क न रहे, **देश में 'अमीरी रेखा' सुनिश्चित करने की आज जरुरत है** | अधिकांश कर संग्रह (टैक्स) सम्पत्ति पर हो, न की छोटे - बड़े उत्पादन या आय से |

4. हमारे देश के सच्चे उत्पादक, सच्चे कुशल कारीगर, सही निर्माणकर्ता आजतक वंचित है, शोषित पीड़ित है | **जिन ९३% श्रमिको को सामाजिक सुरक्षा पेंशन से वंचित रखा गया है. उन्हें संगठित - सुरक्षित क्षेत्र के श्रमिकों के बराबर सुरक्षा दी जाये** | रोजी, रोटी, कपडा, मकान, हर किसी को प्राप्त हो | हर सेवा का, हर संसाधन या विकास के लाभ जैसे पानी, उर्जा का समान बटवारा हो |

5. (न्यूनतम) मजदूरी इतनी हो कि पूरे परिवार का पालन पोषण एक के रोजगार से मिले | गरीबी रेखा के नीचे के परिवारों की सूचि ग्रामसभा तय करे और शहर में वार्डसभा तय करे |

6. **समाज में दलितों, आदिवासियों, औरतों, अलपसंख्यकों पर हो रही हिंसा, भेदभाव और अत्याचार खत्म हो और उनको उचित सम्मान और आजीविका मिले |**

आगामी कार्यक्रम दिसम्बर महीने में :

- 20 **वाराणसी (**नन्दलाल मास्टर 9415300520**) आजमगढ़** (राजीव यादव 9452800752)
- 21 **अमेठी (**संजय सिंह 9044272073) **राय बरेली (**गौरव अवस्थी 9415034340)
- 22 **मुरादाबाद** (राकेश रफ़ीक 9456202211, प्रेम 9412839020)
- 24 **पलवल, हरियाणा** (सुभाष भार्गव 9813801437)
- 25 **मुजफरनगर** (मनीष गुप्ता 9837144590, मुखी यादव 9997619284)
- 26 **अलीगढ़** (नमिता सिंह 9412272762)

जनवरी 4 से 11 **दक्षिण भारत** (रामकृष्ण राजू 09866887299) | 12 **मुलताई**, मध्य प्रदेश, (सुनीलम 9425109770), 13 **इंदौर** | 23-29 **बिहार, झारखण्ड** (कामायनी 9771950248) **छत्तीसगढ़** (गौतम बंदोपाध्याय 9826171304) | **फरवरी** 6 - 15 **महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश** (सुनीति 9423571784)

देश के अन्य संगठनों, संस्थाओं, नागरिकों से आग्रह है की आप भी इस अभियान में शामिल हों. योगदान करें. एक कार्यकर्ता बने. आर्थिक सहयोग करें. विचारों के प्रचार प्रसार में मदद करें और अभियान को सफल बनाये |

जन आंदोलनों का राष्ट्रीय समन्वय

संपर्क करें : 6/6, जंगपुरा बी, मथुरा रोड, नयी दिल्ली 110 014

फोन : 011 24374535 | 9818905316 | 9718479517

napmindia@gmail.com | www.napm-india.org

Join us on facebook NAPM | Twitter @napmindia